चमकीलो राजस्थान : तीन देशों के दूतावास ने राज्य सरकार से किया संपर्क

विदेशों में भी हमारे स्टार्टअप्स की धाक... जर्मनी, यूएस, ऑस्ट्रिया से मिला न्योता

प्रदेश को फायदा दिलाने के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करना चाह रही सरकार

डीओआइटी ने शुरू की तैयारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर में टैक्नोहब (फाइल फोटो)

जयपुर. विदेशों में भी हमारे स्टार्टअप्स की धाक जमी है। जर्मनी, यूएस, ऑस्ट्रिया सरकार ने राजस्थान में स्टार्टअप्स पर काम कर रहे युवाओं को न्योता दिया है। तीनों देशों के दूतावास ने इन्हें भेजने के लिए राज्य सरकार से संपर्क किया है। इसके पीछे मकसद है कि राजस्थान में तैयार स्टार्टअप्स को समझने, इससे अपग्रेड हुई तकनीक का फायदा लिया जा सके।

बताया जा रहा है कि सरकार इसे नॉलेज एक्सचेंज प्रोग्राम के रूप में शुरू करना चाह रही है, जिससे विदेशों के स्टार्टअप का फायदा प्रदेश को भी मिले। इसी आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डीओआइटी) प्रक्रिया शुरू कर रहा है। डीओआइटी के संयुक्त निदेशक तपन कुमार के मुताबिक अभी राज्य में 2500 से ज्यादा स्टार्टअप रजिस्टर्ड हैं।

दिल्ली में होगी बैठक

इस मामले में दिल्ली में भी चर्चा होगी। इसमें डीओआइटी अधिकारी और संबंधित दूतावास के प्रतिनिधि शामिल होंगे। हालांकि, इससे पहले डीओआइटी पूरा प्लान तैयार करेगी।

इन क्षेत्रों में स्टार्टअप...

अभी पचास अलग-अलग क्षेत्रों में स्टार्टअप पर काम चल रहा है। इनमें मुख्य रूप से एग्रीकल्चर (कृषि), एजुकेशन (शिक्षा), हेल्थकेयर (स्वास्थ्य सेवा), आइटी (सूचना-प्रौद्योगिकी), फाइनेंस (वित्त), फूड (खानपान), ट्रेवल-ट्यूरिज्म (यात्रा-पर्यटन) से जुड़े स्टार्टअप हैं। इसके अलावा विज्ञापन, मार्केटिंग, एयरोनॉटिक्स, एनीमेशन, ऑटोमोबाइल, खेल, सोशल, टेलीकम्यूनिकेशन, ट्रांसपोर्ट, केमिकल, कंस्ट्रक्शन, मेट्रोमोनियल, पैट्स एंड एनिमल व अन्य क्षेत्र भी हैं।

फैक्ट फाइल

2015 में लागू हुई राजस्थान में स्टार्टअप नीति

2508 स्टार्टअप रजिस्टर्ड हुए हैं अब तक

64 मेंटर शामिल हैं अभी

184 करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी सरकार

बच्चों से किसान तक को जोड़ रहे...

सामान्य स्टार्टअप : 1709 स्टार्टअप रजिस्टर्ड हैं।

स्कूल स्टार्टअप: डीओआइटी ने यूनिसेफ के साथ मिलकर स्कूली बच्चों को चिह्नित किया, जो स्टार्टअप आइडिया पर काम कर रहे हैं। ऐसे 1690 स्कूलों के 30 हजार बच्चे हैं। इनमें बच्चों की 1550 टीम बनी हुई हैं।

रूरल स्टार्टअप : ग्रामीणों को भी तकनीक के साथ जोड़ा जा रहा है। अभी तक 715 स्टार्टअप रजिस्टर्ड हुए हैं। इनमें किसान भी शामिल हैं।

Rajasthan Patrika Pg 17, 23/6/22